राज्यपाल ने पुस्तक 'यादों का सफर' का लोकार्पण किया

लखनऊ: 31 अगस्त, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजभवन में आयोजित एक समारोह में स्व0 न्यायमूर्ति जहार हसन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित पुस्तक 'यादों का सफर' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ, न्यायमूर्ति केशरी भारव, न्यायमूर्ति वी0के00 दीक्षित, न्यायमूर्ति अबुदुल मतीन, न्यायमूर्ति शशीहर हसन, उपाध्यक्ष राज्य योजना आयोग श्री नवीन चन्द्र बाजपेई, श्री काजिम जहार सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

श्री नाईक ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजभवन में आयोजित आज का कार्यक्रम न्यायालय से जुड़ा पहला कार्यक्रम है। राजभवन में अब तक कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं जैसे कुछ पीठों की भजन संध्या, विकलांग कविताक्रम, साहित्यिक महत्व का काय उदभव 'महत्ता आंगन खिलते फूल', उद्दृत काव्य संग्रह 'आबगीना', खिलाड़ियों का समारोह समारोह अतिरिक्त न्याय ही न्यायालय की विशेषता है जिसे उन्होंने अपने कृति से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 'भाषण में सभी वक्ताओं ने कोई न कोई शेर पढ़ा, पर मैं तो शेर से डरता हूँ।'

राज्यपाल ने पुस्तक की तारीख करते हुए कहा कि उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को पुस्तक में बड़ी सहजता से प्रस्तुत किया गया है। न्यायमूर्ति जहार हसन ने न्याय का आदर्श निमित्त किया तथा न्यायिक सेवा की गरिमा बढ़ायी। निष्पक्ष न्याय ही न्यायालय की विशेषता है जिसे उन्होंने अपने कृति से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 'भाषण में सभी वक्ताओं ने कोई न कोई शेर पढ़ा, पर मैं तो शेर से डरता हूँ।'

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार करते हुए कहा कि उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को पुस्तक में बड़ी सहजता से प्रस्तुत किया गया है। न्यायमूर्ति जहार हसन ने स्व0 से भीट करना एक यादगार लम्हा था। वे संबंध बनाने के लिए शायद जा सकते थे। उन्होंने कहा कि पुस्तक के माध्यम से उनके जीवन के अन्य पहलू भी जानने का मौका मिलेगा।

कार्यक्रम में उनके पुत्र श्री काजिम जहार सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे।